VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

*निर्धारित समय: **तीन** घंटे*
*Time Allowed: **Three** Hours*

टेस्ट कोड/ Test Code : 2488

*अधिकतम अंक: **250***
*Maximum Marks: **250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

SE

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1130489

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Maitreya Kumar Shukla.

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

HINDI

तारीख
Date

25/08/2023

निबंध
ESSAY

केंद्र
Centre 09- BHOPAL

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 2488

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में **निबंध** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 2488

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VISION IAS

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

खंड A और B प्रत्येक से **एक-एक** विषय चुनकर **दो** निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।

It is easier to build strong children than to repair broken men.

2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।

A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.

3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।

Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.

4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।

History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।

The wise man does at once what the fool does finally.

6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।

The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.

7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।

Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.

8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।

Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.

2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.

3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.

4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. "कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।"

जे. राबर्ट ओपनहाइमर, अमेरिका के प्रसिद्ध वैज्ञानिक व परमाणु बम के जनक, के ऊपर बनी फिल्म 'ओपनहाइमर' हमें यह बताती है कि किस प्रकार परमाणु की विशेषताओं का प्रयोग कर ऊर्जा तथा बाद में बम बना लेना, जबकि अमेरिका द्वितीय विश्व

युद्ध में शामिल है, तर्कपूर्ण तो है ; पर यह कोरा तर्क तब बन जाता है, जब वह उस परमाणु बम के मानवता पर पड़ सकने वाले विनाश को नहीं देख पाता तथा यही कोरा तर्क जहाँ एक ओर हिरोशिमा व नागासाकी को लहूलुहान करता है, वहीं अंततः ओपनहाइमर के विखंडित व दुखी व्यक्ति बन जाने के रूप में उन्हें ही लहूलुहान कर देता है।

इस महत्वपूर्ण कथन पर विस्तार से चर्चा करने के लिए हमें कई आयामों पर बात करनी होगी, कोरा तर्कपूर्ण मन क्या है? यह खतरनाक क्यों है? इसकी भयावहता को उदाहरणों से समझा जा सकता है? तथा आदर्श परिस्थिति क्या होनी चाहिए?

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सबसे पहले हम कोरा तर्कपूर्ण मन नामक शब्द को समझते हैं। यह उस मनःस्थिति को इंगित करता है, जब मनुष्य केवल और केवल तर्कों, तथ्यों, सिद्धांतों का अनुसरण करता है तथा इन तर्कों को परिस्थितिनिरपेक्ष मानकर हर परिस्थिति में इसी प्रकार चिंतन व निर्णय करता है। जैसा कि कांट ने कहा है - "तर्क से बढ़कर कुछ भी नहीं है।"

यदि कोरा तर्कपूर्ण मन हमें इतना तार्किक बनाता है, तो यह चाबू कैसे बन सकता है? इसका जवाब यह है कि केवल तर्कों पर कार्य करने से, पहली चीज तो हम हमेशा सही निर्णय नहीं ले पाएंगे क्योंकि हमें कई स्थानों पर भावनात्मक होने की आवश्यकता होती है, ताकि उस परिस्थिति से जुड़कर हम पूर्ण

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

न्याय कर पाएं, जैसे- भारत केवल तार्किक रहता तो कोविड महामारी में 'वैक्सीन मैत्री' के माध्यम से विकासशील देशों की मदद नहीं कर पाता। तथा अत्यधिक तार्किक होने का दूसरा नुकसान यांत्रिक हो जाना है, जैसा कि मैक्स वेबर ने कहा है- "अत्यधिक तर्क, हमारे जीवन को रसविहीन बना देता है।"

अगर हमें यह चीज समझनी है तो भारत व विश्व भर में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक क्षेत्र में ऐसे कई उदाहरण हैं, जो इस चीज की पुष्टि करते हैं।

सामाजिक क्षेत्र में केवल कोरी मानसिकता का यह तर्क है कि स्त्रियां, शारीरिक रूप से पुरुषों से कमजोर हैं, अतः द्वितीय श्रेणी की नागरिक हैं; कई सदियों से

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हमारे समाज को लहुलुहान करता रहा है। सैन्य बलों में लंबे समय तक कॉम्बैट भूमिका, इसी तर्क के कारण महिलाओं को नहीं दी गई, जिसने अंततः अवनी चतुर्वेदी की योग्यता रखने वाली कई होनहार महिलाओं की सेवा से हमें वंचित किया।

आर्थिक क्षेत्र में एडम स्मिथ जैसे विचारकों का यह घोर स्वार्थी तर्क कि जो किसी तरह संसाधनों पर नियंत्रण कर उत्पादन करने लगे, उसे ही सारा लाभ मिलना चाहिए, अंततः असमानता, बेरोजगारी के रूप में समाज को लहुलुहान करता है। वहीं मार्क्सवाद, जो पूंजीवाद की विरोधी विचारधारा बनकर आयी, केवल मजदूरों का ही सब तथा हर प्रकार के निजी स्वामित्व का विरोध, जैसे कोरे विचारों के कारण आज अप्रासंगिक बनकर रह गयी है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

राजनीतिक क्षेत्र में हिटलर का नाजीवाद कौन भूल सकता है, जिसने अपने इस कोरे तर्क कि, बहुमत की राय ही देश की राय है, के कारण एक अंधराष्ट्रवाद की ऐसी धारा को जन्म दिया, जिसने उस समय यहूदियों के नरसंहार व द्वितीय विश्वयुद्ध के रूप में विश्व को लहुलुहान किया तथा आज भी विश्व के अलग-अलग भागों में कर ही रही है।

तो अब सवाल यह उठता है कि कोरा तर्कपूर्ण मन खतरनाक है, तो मन को किस प्रकार का होना चाहिए? इसका सीधा सा जवाब तो 'भावनाएं' हैं, मनुष्य का मन 'भावनात्मक' होना चाहिए। भावनाओं का महत्व हमें निम्न पंक्तियां बताती हैं-

"वियोगी होगा पहला कवि, आह से उपजा होगा गान।
निकल कर आंखों से चुपचाप, बही होगी कविता अनजान।"

भावनाओं का मानव जीवन में तथा समाज के कल्याण में कितना महत्व हो सकता है, इसके भी पर्याप्त कारण व उदाहरण हैं। भावनाएं; जहां एक ओर हमें किसी भी परिस्थिति को समग्रता में समझने में मदद करती हैं, जिसके आधार पर हम तर्कों से परे जाकर भी पूर्ण न्याय कर पाते हैं; वहीं दूसरी ओर हमारे भीतर करुणा व सहानुभूति जैसे मूल्यों का विकास करती हैं।

अशोक महान का तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में युद्ध छोड़कर धम्म का मार्ग अपनाना उस कोरे तर्क पर भावना की विजय थी, जो साम्राज्य विस्तार हेतु युद्ध व केवल युद्ध पर बल देकर, लाखों निर्दोषों की हत्या करवाता था। संविधान का

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अनुच्छेद 15(3), 15(4), 16(3), 16(4) जब सदियों से वंचित रहे वर्गों को आरक्षण का प्रावधान करता है, तो यह भावनाओं के कारण ही संभव है, क्योंकि कोरा तर्क एक मौलिक पूर्ण समानता का समर्थन करता।

भावनाओं का दूसरा महत्व करुणा व सहानुभूति का सृजन करना है। व्यक्तिगत स्तर पर करुणा व सहानुभूति हमें सड़क पर किसी अंधे व्यक्ति की मदद करने, दिव्यांग व्यक्ति का सम्मान करने योग्य बनाएगी तथा प्रशासनिक स्तर पर यह दिव्या देवराजन जैसे अधिकारी देगी जो नक्सल प्रभावित क्षेत्र के लोगों की समस्या के समाधान हेतु तीन माह में उनकी भाषा सीख लेती हैं तथा तर्कों का संचालन भावनात्मक रूप से पूर्ण न्याय हेतु करती हैं।

परंतु यह केवल एक उथला सा जवाब होगा कि आदर्श मन, भावनात्मक होना चाहिए अति भावुकता या केवल भावना संचालित मन, ऐसा व्यक्ति बना देगा जिसे चीजें समझनी आती हैं पर, चिंतन व तर्कों द्वारा विश्लेषण करना नहीं आता, जैसा कि कवि बैरागी कहते हैं –

" जब चिंतन पर काई जम जाए,
विप्लव की भँवर थम जाए।
तो समझो पीढ़ी हार गई,
पुरवा को पछुआ मार गई। "

तो हम फिर उसी सवाल पर हैं, एक आदर्श मन कैसा हो? कोरा तर्क व कोरी भावनाएं दोनों ही खतरनाक हैं। इसका जवाब होगा वह मन, जो भावनाओं से प्रेरित तथा बुद्धि से संचालित हो।' जहां

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भावनाएं, उसे किसी परिस्थिति से जोड़ने में सहायता करें तथा तर्क, परिस्थिति का सांगोपांग विश्लेषण कर सम्यक निष्कर्ष तक पंहुचने में मदद करें। नीतिशास्त्र की भाषा में भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EI) व बुद्धिमत्ता गुणक (IQ) का समुचित मिश्रण होना चाहिए।

जब हम महात्मा गांधी के बारे में सोचते हैं तो हमें क्या याद आता है? उनके अहिंसा, सत्याग्रह, सर्वधर्मसमभाव, पर्यावरण संरक्षण आदि विचार या विश्व के सबसे बड़े स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व करती उनकी छवियां। वास्तव में दोनों ही, जहां तर्कपूर्ण मन उनके विचारों का चालक बना, वहीं भावनात्मक मन ने उन्हें देश के किसानों, मजदूरों, ग्रामीण, शहरी, मध्यवर्गी,

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पूंजीपति, स्त्री, पुरुष सभी से जोड़ दिया ; वे एक आदर्श मन तथा उससे बने आदर्श व्यक्तित्व का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण था।

कथन को वर्तमान परिस्थिति से जोड़ने पर वह संपूर्णता से समझा जा सकेगा। आज के वैज्ञानिक व तकनीकी युग में प्री नर्सरी के माध्यम से हम अत्यंत छोटे बच्चों को भी तर्कपूर्ण शिक्षा में झोंक दे रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मानव का अनुसरण करना था, पर ऐसा लगता है मानव उसका अनुसरण कर भावना रहित व कोरा तर्कपूर्ण होता जा रहा है, जो जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, मनोरोग आदि माध्यमों से समाज को लहुलुहान करता जा रहा है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

संपूर्ण चर्चा का सार यही है कि कोरा तर्कपूर्ण मन, मनुष्य के लिए घातक है पर केवल भावनात्मक होना भी खराब है। भावनाओं का इतना मिश्रण आवश्यक है कि तर्कपूर्ण मन, कोरा न रह जाए। वर्तमान में यह समस्या और गहरी होती जा रही है, ऐसे में हमें नयी पीढ़ी को तारा रबसन का यह कथन समझाने की आवश्यकता है -

"जब भावना तक जागरूकता लाई जाती है, जिंदगी तक शक्ति लाई जाती है।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.

6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.

7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.

8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

"बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है
जो मूर्ख अंततः करता है।"

जापान, द्वितीय विश्व युद्ध में
शामिल एक महत्वपूर्ण शक्ति ने युद्ध
समाप्त होते ही यह समझा कि विश्व
का भविष्य युद्ध या हथियार है
ही नहीं। 9/11, 26/11, तालिबान का
उदय जैसी घटनाओं ने आज लगभग
पूरी दुनिया के सामने यह चीज
स्पष्ट कर दी है कि "आंख के बदले
आंख संपूर्ण विश्व को अंधा बना देगी।"

फर्क बस इतना है कि जापान ने इसे तुरंत समझा व किया व संपूर्ण विश्व आज इसकी ओर अग्रसर है।

इस अत्यंत रोचक कथन पर विचार करते समय हमें कई आयामों व जटिलताओं को समझना होगा। बुद्धिमान व मूर्ख से हमारा अभिप्राय क्या है? बुद्धिमान क्यों पहले सही चीजें करते हैं? तथा यह भी कि क्या यह कथन हर परिस्थिति में सत्य माना जाए या इसके अपवाद भी हैं?

सर्वप्रथम, बुद्धिमान व मूर्ख हम किसे कहेंगे यह समझना होगा। बुद्धिमान, वह व्यक्ति है जो किसी भी परिस्थिति में तर्कों, तथ्यों के माध्यम से चिंतन कर निर्णय लेता है, जो अधिकांश परिस्थितियों में सही होते हैं। वहीं मूर्ख, वह व्यक्ति है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जो सीधे दौर पर बिना सोच-विचार के कोई कार्य करता है। पर मूर्ख शब्द का एक लचीला अर्थ, यह लेने पर कि वो; जो चीजों को देर से समझे तथा कृत्य करे; यहां स्पष्टता लाई जा सकेगी।

एक प्रसिद्ध कथन है-

"बुद्धिमान व मूर्ख में यही अंतर है कि बुद्धिमान को अपनी हदें पता हैं।"

यह कथन ही यह स्पष्ट कर देता है कि जहां बुद्धिमान, किसी परिस्थिति को समझने के साथ यह भी समझेगा कि यहां निर्णय लेने में क्या सीमाऐं हैं, अतः वह एक व्यावहारिक व त्वरित निर्णय लेगा। वहीं मूर्ख, अपने असीमित अज्ञान के कारण तरह-तरह के प्रयोग करने के बाद उस निर्णय तक पंहुचेगा, जो बुद्धिमान ने लिया था।

उम्मीदवारों के इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस कथन की पुष्टि हमें व्यापक रूप में मौजूद उदाहरणों के द्वारा मिलती है। व्यक्तिगत से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर, समाज, अर्थव्यवस्था, राजनीति हर क्षेत्र में बुद्धिमान की समय से पहले चीजों को समझने व अर्थ करने की क्षमता व मुश्किलों को अंत में वहां तक पहुंचने के उदाहरण भरे पड़े हैं।

व्यक्तिगत स्तर पर; गांधी, मुराकामी, बेंजामिन फ्रैंकलिन जैसे व्यक्ति जो समय से पूर्व ही इस निष्कर्ष तक पहुंच गए थे कि युद्ध मानवता हेतु कितने खतरनाक हैं, वो आज निःशस्त्रीकरण का आधार हैं। मुराकामी का कथन है- "ऐसा कोई युद्ध नहीं है, जो सभी युद्धों का अंत कर दे।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इतिहास में झांककर देखें तो, सिंधु घाटी सभ्यता की नगर नियोजन प्रणाली हो, यूनान की व्यक्तिगत स्वतंत्रता के महत्व की प्रथा हो या चोल शासन का स्थानीय स्वशासन को महत्व देना। ये सारे उदाहरण यही बताते हैं कि कैसे इस समय ही कर लिए गए कृत्य दुनिया में आज महत्वपूर्ण हैं।

सामाजिक क्षेत्र में बिंदेश्वर पाठक का नाम इस मामले में अग्रणी है। 1970 के दशक में ही स्वच्छता व हाथ से मैला उठाने की कुप्रथा के नुकसान, इन्होंने समझे तथा पूरे देश में 'सुलभ शौचालयों' की स्थापना कर डाली, भारत व विश्व आज यह चीजें समझ पाया है तथा हम स्वच्छ भारत अभियान लागू कर रहे हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अर्थव्यवस्था में जान राल्स ने काफी समय पहले 'कल्याणकारी पूंजीवाद' की अवधारणा दी, जिसमें सरकार को समाज के सबसे वंचित वर्गों का ध्यान रखना था, पर विश्व को यह चीज कोविड के बाद समझ में आयी तथा अमेरिका व इंग्लैंड जैसे देशों में स्वास्थ्य सुविधाएं दी गई।

राजनीतिक क्षेत्र, में यह चीज कितने अच्छे तरीके से चाणक्य ने इस श्लोक में समझायी है -

"प्रजा सुखे सुखं राज्ञः, प्रजानाम् तु हिते हितम्।
नात्मप्रियं प्रियं राज्ञः, प्रजानाम् च प्रिये प्रियम्।"

[प्रजा के सुख में ही राजा का सुख है, तथा प्रजा के हित में राजा का हित है। राजा को कभी भी खुद प्रिय नहीं होना चाहिए, प्रजा को जो प्रिय है, वही राजा को प्रिय है।]

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वर्तमान में लोकतंत्र की अवधारणा यही है, जो बुद्धिमान चाणक्य ने कई शताब्दियों पहले स्थापित कर दी थी।

अब सवाल यह है कि क्या यह बात निरपेक्ष रूप से सत्य है कि बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत ही कर लेते हैं तथा मूर्ख वह अंतत: ही करता है? स्पष्ट है इसमें भी कुछ अपवाद हैं। पहला अपवाद यह कि बुद्धिमान व्यक्ति हमेशा तुरंत ही निर्णय नहीं करते हैं। कई बार ऐसी परिस्थितियां आती हैं, जब निर्णय टालने पड़ते हैं तथा चीजों के सही होने का इंतजार करना पड़ता है।

क्विंटस मेक्सिमस फेबियस, यूरोप में प्रसिद्ध एक महान सेनापति

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidat must not write on this marg

जो इसलिए बुद्धिमान है क्योंकि उसने कमजोर सेना लेकर एक अनुकूल स्थान पर शत्रु सेना का इंतजार किया व एक अत्यंत मजबूत सेना को परास्त कर पाया क्योंकि उसने सीधे युद्ध में कूद जाने का निर्णय टाल दिया था।

कथन का दूसरा अपवाद यह है कि हमेशा तुरंत निर्णय बुद्धिमत्ता की पहचान नहीं तथा मूर्ख भी तुरंत कार्य कर देते हैं। मुहम्मद बिन तुगलक के मन में ये ख्याल आना कि देश का शासन, उसके मध्य से कुना चाहिए तथा एक झटके में पूरे क्षेत्र के साथ राजधानी बदल देना, जरूर एक त्वरित निर्णय था, पर यह एक मूर्खतापूर्ण निर्णय था।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इन जटिलताओं के अध्ययन के बाद हमें कथन को वर्तमान परिस्थितियों पर भी जांच लेना चाहिए। सामान्य तौर पर तथा अधिकांश मामलों में यह सत्य ही प्रतीत हो रहा है। आज विश्व के देशों को सबसे महत्वपूर्ण आभासीकरण (रियलाइजेशन) पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन की समस्या का हो रहा है। भारतीय ग्रंथों में "प्रकृति रक्षति रक्षिता।" की बात हो या अमेरिकी कहावत - "यह ग्रह हमें हमारे पूर्वजों से उत्तराधिकार में नहीं मिला है, इसे हम अपने बच्चों से उधार लेते हैं।" बहुत पहले ही बुद्धिमान व्यक्तियों ने ये चीजें बता दी थी।

अत्यंत भौतिकतावादी हो चुके विश्व का कई शताब्दी पहले

उम्मीदवारों इस हाशिए नहीं लिखना चाहिए Candidat must not write on this marg

के योग व अध्यात्म जैसे विचारों की ओर मुड़ना भी कथन की पुष्टि करता है। वहीं रूस का बिना कुछ सोचे समझे यूक्रेन पर हमला, त्वरित व मूर्खतापूर्ण निर्णयों के रूप में अपवादों की भी पुष्टि करता है।

पर वर्तमान में एक नयी जटिलता हमारे सामने खड़ी है, जो संभवतः 'बुद्धिमत्ता की समाप्ति' है। मात्रात्मक लक्ष्यों का पीछा करती दुनिया, जिसके पास इतना समय ही नहीं है किसी परिस्थिति में सोच-विचार कर बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय ले, बल्कि यह पूरी प्रक्रिया कम्प्यूटरों व मशीनों को आउटसोर्स कर दी गई है, जैसे- चैट जीपीटी का आगमन।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस जटिलता का प्रभाव यह है कि हमारे पास मशीनों के निर्णयों की बुद्धिमत्ता जांचने के आधार नहीं हैं, तथा व्यक्ति बुद्धिमत्तापूर्ण कार्यों का त्याग करता जा रहा है। इस समस्या पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

अंतत: पूरी चर्चा के बाद हम इसी निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि यद्यपि अपवादों तथा वर्तमान में नयी जटिलताओं ने कई नए आयाम प्रस्तुत किए हैं; पर व्यापक व सामान्य तौर पर यही सत्य प्रतीत होता है कि बुद्धिमान व्यक्ति, परिस्थितियों से जुड़ने

उम्मीदवारों इस हाशिए नहीं लिखना चाहिए Candidat must no write on this mar

की अपनी अद्वितीय क्षमता के कारण वे निर्णय पहले ही ले लेते हैं, जहां तक अज्ञानी अंतत: पहुंचते हैं। इसकी पुष्टि निम्न कहानी से भी होती है-

"टोयोटा, आज एक प्रमुख कार निर्माता कंपनी है, पर 1950 के दशक में यह जब शुरू हुई तो इसे कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में कंपनी ने नयी चीज पर निवेश किया, वह था कर्मचारियों का कौशल तथा हर साल उसमें बढ़ोतरी के लक्ष्य। आज विश्व की हर कंपनी में मानव संसाधन में निवेश का महत्व समझा जा चुका है।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

www.visionias.in

(1.) इ ✓

कोरा तर्कपूर्ण मन, पलभर ही फलक - प्रयोग करने वाले लोग :-
लाईलाज हाल

Intro - oppenheimer - only तर्क थे
उसके पास, emotion से
मानवता नहीं सोची, WW2 में
पछताया

↳ questions. कोरा तर्कपूर्ण मन ?
क्यों खराब ? उदाहरण ?
क्या होना चाहिए

↳ Nothing above reason - Kant
↳ when awareness to emotion, ~~life~~ Power to life - तारा
↳ वियोगी होगा —
↳ चिंतन पर कार्य।

Body. (1) कोरा तर्कपूर्ण मन ?
↳ e.g. Kant
↳ पर खराब → ~~emotion जरूरी~~
~~emotion जरूरी to connect with situation~~
~~↳ e.g. - नारी स्वाभाव~~

(2) emotions needed to connect, - ~~...~~ वियोगी होगा compassion
↳ ashok said सत्य
↳ Kalinga by killing
तर्क खराब
→ आरक्षण
→ emotion lead to ~~...~~ compensation
↳ फ्लोरेंस नाइटिंगेल (florence nightingale)

(e.g.). → समाज. → महिला कमजोर तो कमजोर,
समाज लहूलुहान (~~...~~
(समाज में मूलभूत. पुरुष ही मजबूत
→ दो ही gender
↳ Bengaluru में Transg. आत्महत्या

→ आर्थिक - Adam smith - state only Police
= घोर पूंजीवाद (~~...~~
↳ क्योंकि तर्क, जो उगाए - खाए
↳ but led to marxism उदय

राज. → Hitler (only my country)
↳ बहुमत = शासन (तर्क)

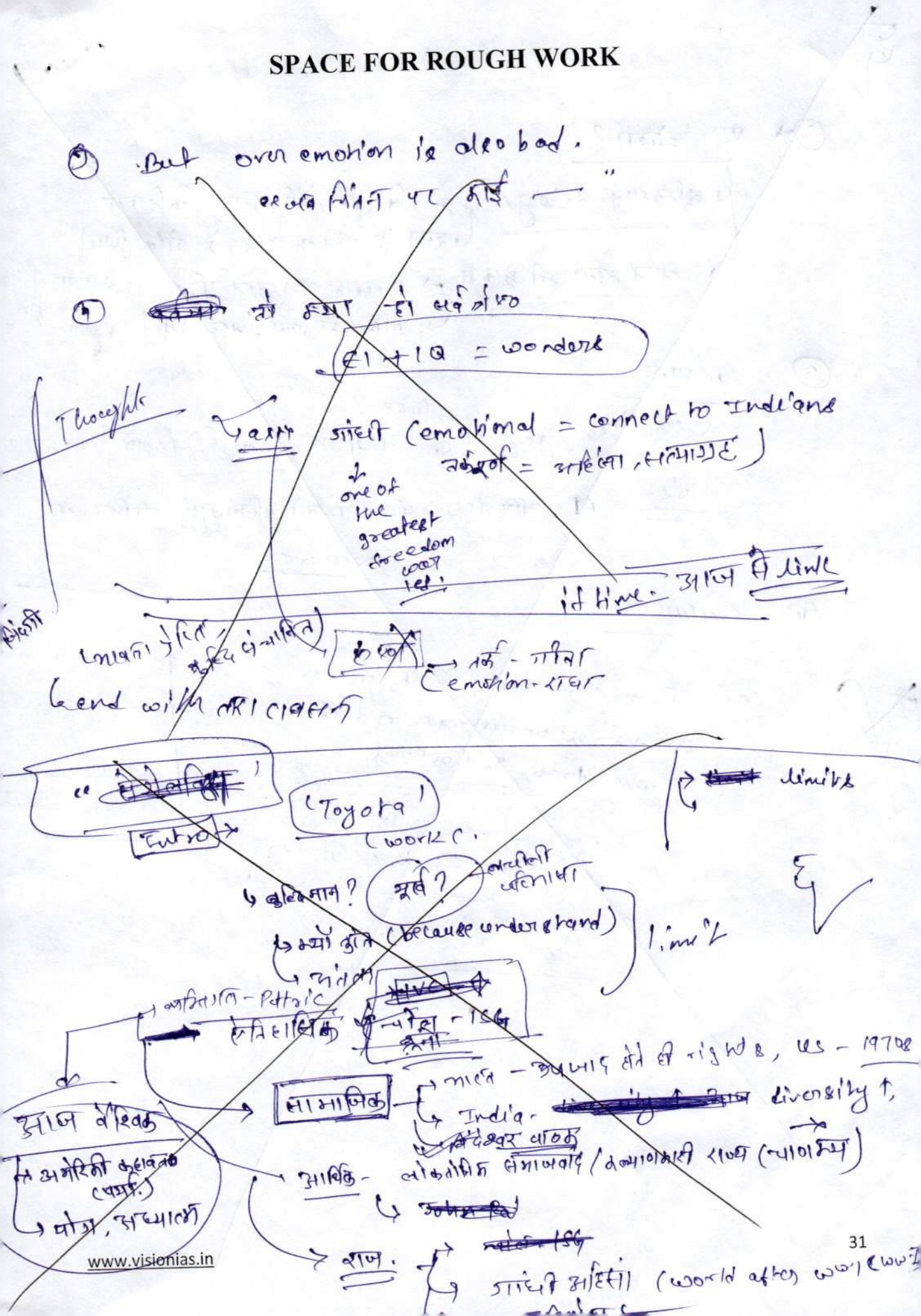

SPACE FOR ROUGH WORK

(3) But over emotion is also bad.

(4) EI + IQ = wonders

Thoughts — गांधी (emotional = connect to Indians; तर्कपूर्ण = अहिंसा, सत्याग्रह) — one of the greatest freedom war led.

भावना प्रेरित / बुद्धि संचालित — तर्क - गीता, emotion - राधा

Lend with तरीका

"Toyota" — Intro

limits

बुद्धिमान? मूर्ख?

क्यों (because understand)

limit

ऐतिहासिक — व्यक्तिगत - Patriotic

सामाजिक — भारत - आजाद होते ही rights, US - 1970s; India - diversity

आर्थिक - लोकतांत्रिक समाजवाद / कल्याणकारी राज्य

राज्य — गांधी अहिंसा (world after WW1, WW2)

आज वैश्विक — अमेरिकी

(2) पर हमेशा?

- बुद्धिमान delays → विचारस मैसिमस फेबियस
  - राम ने अंत तक लक्ष्य को मौका दिया।
- तुरंत करना भी मूर्खता → Russia का तुरंत यूक्रेन पर हमला।
  - MBT का राज. बदल देना।

(3) वर्तमान

- एक ओर यह सत्य → अध्यात्म, पर्या. संरक्षण (ध महावा
- पर — AI, भाग दौड़ → बुद्धिमत्ता की परिभाषाएं सीमित एवं outsource.

(4) Conclusion

→ बुद्धिमान man. जल्दी समझ के act, पर असल में he understands and knows when to act, मूर्ख follows

→ Japan, निःशस्त्रीकृत तुरंत → आज कर मजबूत

Togo ke से ...